भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं 4325

19 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: हिंगोली में छोटे और सीमांत किसानों के लिए सहायता

4325. श्री अष्टिकर पाटिल नागेश बापुराव:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में अनियमित वर्षा, सिंचाई सुविधाओं की कमी और फसल हानि के कारण किसानों के समक्ष मौजूद कृषि संकट और चुनौतियों से अवगत है;

(ख) यदि हाँ, तो हिंगोली में छोटे और सीमांत किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए या प्रस्तावित विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है, जिसमें फसल बीमा का प्रावधान, बेहतर सिंचाई अवसंरचना और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और उर्वरकों तक पहुँच शामिल है;

(ग) क्या हिंगोली में पीएम-किसान, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना या मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना जैसी कोई केंद्रीय योजनाएँ प्रभावी ढंग से कार्यान्वित की जा रही हैं और यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कितनी है; और

(घ) क्या सरकार की किसानों की आय बढ़ाने और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए हिंगोली में कोई कृषि-प्रसंस्करण इकाइयाँ, एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) या कृषि अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की योजना है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ): महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, राज्य हिंगोली जिले में कृषि संबंधी समस्याओं से अवगत है। छोटे और सीमांत किसानों सहित सभी किसानों को सहायता प्रदान करने, फसल हानि के कारण होने वाले जोखिम के प्रबंधन और कृषि उपज के लिए लाभकारी रिटर्न सुनिश्चित करने हेतु, कई योजनाएँ कार्यान्वित की गई हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत हिंगोली जिले में लाभार्थियों की संख्या 2022-23 में 44,936 से बढ़कर 2024-25 में 1,12,341 हो गई है।

किसानों को फसल नुकसान से बचाने के लिए, राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) कार्यान्वित की जा रही है। हिंगोली जिले में पीएमएफबीवाई के तहत दावा राशि प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या नीचे दी गई है:

मौसम	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
खरीफ	1,80,839	2,21,106	2,08,986
रबी	9,622	1,14,360	76,511

सतत एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन में सहयोग करने के लिए, हिंगोली जिले में सॉयल हेल्थ कार्ड (एसएचसी) और परामर्श जारी किए जाते हैं। वर्ष 2022-23 में 2850 एसएचसी, 2023-24 में 3600 एसएचसी और 2024-25 में 6000 एसएचसी जारी किए गए।

महाराष्ट्र सरकार ने हल्दी के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए हिंगोली के बासमत में माननीय बालासाहेब ठाकरे हल्दी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया है। 10 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मंजूरी दी गई है। स्मार्ट परियोजना के अंतर्गत जिले में प्राथमिक और द्वितीयक कृषि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के अंतर्गत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के लिए 219 व्यक्तिगत लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई है।

*****